30 AUG 2019

drishti

ESSAY

निर्धारित समय: तीन घंटे *Time allowed: Three Hours*	DTVF/19(JS)–ESY-**E2**	अधिकतम अंक: 250 *Maximum Marks: 250*

Name: SUNIL **Mobile Number:**

Medium (English/Hindi): HINDI **Reg. Number:** AWAKE-19/B013

Center & Date: DELHI 29/08/19 **UPSC Roll No.** ***(If allotted)*:** 7105724

प्रश्नपत्र संबंधी विशेष अनुदेश

(प्रश्नों के उत्तर देने से पहले निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को कृपया ध्यानपूर्वक पढ़ें)

प्रवेश-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में निबंध लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू. सी. ए.) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में लिखे गए उत्तरों को अंक नहीं दिये जाएंगे।

प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट शब्द-संख्या के अनुसार होने चाहिये।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए किसी पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other than the authorized one.

Word limit, as specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

	निबंध विषय संख्या (Essay Topic No.)	अंक (Marks)
खंड-A Section-A		
खंड-B Section-B		
सकल योग (Grand Total)		

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

खंड A और B प्रत्येक में से एक विषय चुनकर दो निबंध लिखिये, प्रत्येक लगभग 1000–1200 शब्दों का हो: 125 × 2 = 250

Write TWO Essays, choosing ONE from each of the Section A and B, in about 1000–1200 words each: 125 × 2 = 250

खंड–A / SECTION –A

1. तन के भूगोल से परे एक स्त्री के मन की गाँठें खोलकर कभी पढ़ा है तुमने।

   Have you ever looked beyond a woman's body to understand the complexities of her mind.

2. अंतरिक्ष पर शोध : निरर्थक प्रयास या अवसरों का पुंज।

   Space research : Futile efforts or a beam of opportunities.

3. प्रकृति की अनदेखी विनाश का आमंत्रण-पत्र है।

   Ignorance towards nature is an invitation to catastrophe.

4. समावेशी विकास संभव है, बशर्ते प्रतिस्पर्द्धा संघर्ष न बने।

   Inclusive development is possible, provided that competitions do not become a struggle.

खंड–B / SECTION –B

1. युद्ध के लिये तैयार रहना शांति को संरक्षित करने का सबसे प्रभावी उपाय है।

   To be prepared for war is the most effective means of preserving peace.

2. समस्याग्रस्त विश्व के लिये गांधीवादी विचारधारा की प्रासंगिकता।

   The relevance of Gandhian Ideology in the problem laden world.

3. सामाजिक एवं क्षेत्रीय न्याय की कमज़ोरियाँ संपन्न समाजों के अंतर्विरोधों को प्रत्यक्ष संघर्ष के रूप में प्रस्तुत कर सकती हैं।

   The weaknesses in social and regional justice can bring forward contradictions of affluent societies in form of direct struggle.

4. नैतिकता स्वयं अपना ही पुरस्कार है।

   Morality is its own reward.

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

खंड-A / SECTION -A

1. तन के भूगोल से परे एक स्त्री के मन की गाँठें खोलकर कभी पढ़ा है तुमने।

Have you ever looked beyond a woman's body to understand the complexities of her mind.

2. अंतरिक्ष पर शोध : निरर्थक प्रयास या अवसरों का पुंज।

Space research : Futile efforts or a beam of opportunities.

3. प्रकृति की अनदेखी विनाश का आमंत्रण-पत्र है।

Ignorance towards nature is an invitation to catastrophe.

4. समावेशी विकास संभव है, बशर्ते प्रतिस्पर्द्धा संघर्ष न बने।

Inclusive development is possible, provided that competitions do not become a struggle.

"अंतरिक्ष पर शोध : निरर्थक प्रयास या अवसरों का पुंज"

सुबह टेलीविजन शुरु किया। बहस चल रही थी। विषय था - 'विज्ञान की खोजी प्रवृत्ति एवं निहितार्थ'। एक महोदय का विचार था - 'विज्ञान कहर बनकर उभरा है। खोजों ने मानव - प्रकृति संबंध को नष्ट व विरूपित कर दिया। परमाणु बम, जैविक हथियारों के कारण पृथ्वी हर समय

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

अपने अस्तित्व के खतरे को महसूस कर रहे हैं। आदि मन सोच में डूब गया।

क्या वास्तव में विज्ञान के शोध निरर्थक साबित हो रहे हैं? हालिया उभरता क्षेत्र 'अंतरिक्ष' भी इसी श्रेणी में है अथवा नहीं। यदि नहीं, तो क्या संभावनाएँ हैं? संभावनाओं की पूर्ति में बाधाएँ क्या है तथा इनका समाधान क्या है? इन्हीं सब प्रश्नों का उत्तर निबंध में तलाशते हैं।

शब्दत: अंतरिक्ष ग्रहों, पिण्डों के बीच के रिक्त स्थान को परिभाषित करता है। यह क्षेत्र डार्क मैटर व डार्क एनर्जी से भरा होता है। पृथ्वी के संदर्भ में इसे आंतरिक, बाह्य व गहरे अंतरिक्ष में विभाजित किया जाता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भारत में प्राचीनकाल से अंतरिक्ष के बारे में जानकारी जुटाने की प्रवृत्ति देखी गई है। आर्यभट्ट ने ग्रहण की व्याख्या की, तो वराहमिहिर ने ज्योतिष में ग्रहों का उपयोग किया। मध्यकाल में भास्कर-II ने इस क्षेत्र में कार्य किया।

स्वतंत्रता पश्चात 1969 में INCOSPAR का गठन किया गया, जो आगे चलकर इसरो नाम में तब्दील हुआ। SITE व STEP जैसे आरंभिक प्रयासों के बाद भारत ने इस क्षेत्र में शोध में गति पकड़ी।

वैश्विक स्तर पर 1958 में गठित नासा (अमेरिकी स्पेस एजेंसी), रॉसकोसमोस (रूस), जाक्सा (जापान) आदि भी अंतरिक्ष में शोध को जारी रखे हुए हैं।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

इसी क्रम में अंतरिक्ष अभियानों पर किए जाने वाले खर्चों तथा उनके परिणामों को लेकर इनकी आलोचना भी लगातार हुई है विरोधियों का मानना है कि इस पर खर्च किए जाने वाली वृहद राशि आर्थिक-सामाजिक विकास के लिए धन उपलब्धता के संकट को बढ़ा रही है वर्तमान में इसरो का बजट दस हजार करोड़ रुपए तक पहुंच चुका है

साथ ही 'मिशन शक्ति' जैसे कार्यक्रम अंतरिक्ष में शस्त्रीकरण तथा सैन्यीकरण को बढ़ाकर शस्त्र-नियंत्रण के प्रयासों को धूमिल कर रहे हैं। अंतरिक्षीय कचरे की बढ़ती मात्रा पर्यावरण को घातक क्षति पहुंचा रही है जैसे जलवायु परिवर्तन, तापमान वृद्धि

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

इसी प्रकार ~~भारत~~ अंतरिक्ष अभियानों की विफलता आर्थिक क्षति का कारण बनती है, जन-हानि की भी प्रबल संभावना बनी रहती है। उपग्रहों के प्रक्षेपण के दौरान निकलने वाले धुएं की वृहद मात्रा पर्यावरणीय प्रदूषकों की मात्रा बढ़ा रही है जो सरकार के प्रदूषण नियंत्रण प्रयासों को सीमित करती है।

साथ ही साथ शीतयुद्ध काल में हुई अंतरिक्षीय दौड़ ने भी संपूर्ण मानव जगत को विभाजित बनाए रखा। अमेरिका की सामरिक सुरक्षा पहल (SDI) ने शस्त्र-होड़ को और गति प्रदान कर दी।

और तो और न तो मानव चांद, मंगल आदि ग्रहों पर बस सकता है (बहुत अधिक विपरीत परिस्थितियों के कारण) और न

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation
उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

ही किसी दूसरे एक्सोप्लैनेट (अन्य सौरमंडल के ग्रह) पर जा सकता है (अत्यधिक दूरी के कारण)। अतः इस पर शोध केवल निरर्थक ही है।

चिंताएँ भले ही पूर्णतः त्याज्य नही हैं। परंतु ऐसा भी नही है कि मात्र हाथ पर हाथ धरे बैठ रहा जाए। मानव प्रकृति शुरू से ही खोजी प्रकार की रही है। जेम्स चैडविक द्वारा इलेक्ट्रॉन की खोज की वैज्ञानिक जगत में सराहना को हँसी का पात्र बनाया गया था कि इतना सूक्ष्म अंश क्या कर सकता है। लेकिन आज हम सभी उसी अंश के कारनामों को अपने चारों तरफ महसूस करते है।

ऐसा नहीं है कि अंतरिक्ष शोध संभावनाओं से भरा नहीं है। आलबत्ता

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

यह तो संभावनाओं का भंडार है। वर्तमान में डिजीटलीकरण की बढ़ती प्रवृत्ति व इंटरनेट की बढ़ती मांग ट्रांसपोंडरों के माध्यम से ही संभव हो पा रही है। जो ई-शासन, ई-शिक्षा, ई-चिकित्सा को संभव बनाकर मानवाधिकार प्राप्ति, अनुच्छेद २१ के तहत प्राप्त जीवन व स्वतंत्रता के अधिकार आदि को व्यावहारिक स्वरूप प्रदान कर रहा है।

कृषि में फसल प्रबंधन, सूखे आदि की संभावना द्वारा फसल हानि का पता लगाने व बीमा कंपनियों को आँकड़े उपलब्ध कराने से लेकर E-NAM तक की संपूर्ण प्रक्रिया इसी शोध पर आधारित है।

देश में खनिज संसाधनों का पता लगाने, मृदा की स्थिति का

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright - Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

पता लगाने, खनिज निष्कर्षण हेतु उचित स्थल चयन आदि में प्रयुक्त भौगोलिक सूचना प्रणाली अंतरिक्ष शोध का ही परिणाम है।

इसी प्रकार नगर नियोजन, सुदूर संवेदन द्वारा आवास व सड़क निर्माण जैसी योजनाओं की मॉनिटरिंग, शहरों में जल उपलब्धता की पूर्वानुमित करने, परिवहन व्यवस्था को दुरुस्त करने ; जैसे नाविक प्रणाली, गगन प्रणाली द्वारा वायु उड़ान क्षेत्रक को आधारभूत संरचना उपलब्ध कराने जैसे वैज्ञानिक कार्य संपन्न किए जा रहे हैं।

साथ ही आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में सुभेद्य क्षेत्रों / स्थलों का पता लगाने, जोखिम स्तर को कम करने, आपदा की मात्रा व

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

गहनता का पूर्वानुमान करने व आपदा पश्चात पुनर्वास, पुनर्बहाली के कार्यों में यह क्षेत्र अत्यंत उपयोगी है। जैसे हाल ही में प्रक्षेपित स्वयं उपग्रह, अमेजन के जंगलों में लगी भीषण आग की गहनता को दुनिया के सामने लाना आदि।

सीमा प्रबंधन में समेकित उपग्रह (CIBMS प्रणाली आदि) न केवल सीमा सुरक्षा को मजबूत कर रहा है, बल्कि सियाचीन जैसे क्षेत्रों में हो रही मानवीय क्षति को भी न्यून कर रहा है।

पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में वायुमण्डल में प्रदूषकों का पता लगाने; यथा-सफर प्रणाली, राष्ट्रीय स्वच्छ वायु गुणवत्ता कार्यक्रम; जल प्रदूषण का पता लगाने, बाँध सुरक्षा की निगरानी, वनों की

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

वास्तविक मात्रा की गणना करने, जैसे भारतीय वन प्रबंधन संस्थान की मदद कर सकती है।

इसी प्रकार सैन्य आधुनिकीकरण द्वारा सामरिक शक्ति प्रसार, बैंकिंग प्रणाली व शेयर बाजार को सशक्त बनाने, स्टार्टअप्स द्वारा रोजगार वृद्धि, नवीन शोध व नवाचार द्वारा IPRs सृजन जैसे क्षेत्र भी अनेक संभावनाएँ जगाते हैं।

चाँद पर मनुष्यों के उतरने से ब्रह्माण्ड व सौरमंडल के बारे में मनुष्य की बढ़ी जानकारी, सोलर प्रोब मिशन द्वारा सूर्य के बारे में प्राप्त होने वाली जानकारी व अब तक का सबसे दूर भेजा गया मानव निर्मित उपकरण - वॉयजर भविष्य में मानव प्रगति की व्यापक संभावनाओं को उजागर करता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

यद्यपि यह इतनी आसान भी नहीं है। इस क्षेत्र में आवश्यक वृहद पूंजी निवेश, कुशल व प्रशिक्षित श्रम बल, आधुनिकतम तकनीकी, स्पेस वॉर की बढ़ती संभावनाएँ व अनेक विकसित देशों द्वारा इस ओर बढ़ाए जा रहे कदम- जैसे अमेरिका, चीन आदि; अंतरिक्ष शोध में प्रगति व विकास के भिन्न-भिन्न स्तर को लेकर विभिन्न राष्ट्रों के बीच बढ़ती असमानता अनेक चुनौतियाँ उत्पन्न कर रही है।

अतः पर्याप्त व दक्ष लाभ प्राप्त करने हेतु राष्ट्रों के बीच समन्वय, निजी व सार्वजनिक क्षेत्रक के साथ मिलकर कार्य करने, अंतरिक्ष के दुरुपयोग को रोकने हेतु COPUS, बाह्य अंतरिक्ष संधि (1967) आदि

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

निम्नगामी तेगों को मजबूत किए जाने की आवश्यकता है।

साथ ही तकनीकी को विकास कार्यों के साथ जोड़कर, जैसे- सौर पैनल की उन्नतीय तकनीक द्वारा सौर ऊर्जा निर्माण, पक्षपूर्ण इंजन निर्माण आदि, इस क्षेत्रक के प्रति उपस्थित नकारात्मक भाव व पूर्वाग्रह को दूर किया जा सकता है।

वस्तुत: शोध अपने आप में साधन नहीं होता है। यह उपयोग कर्ता पर निर्भर करता है कि वह इसका उपयोग कैसे करता है- रचनात्मक कार्यों के लिए या विनाश हेतु।

अत: अंतरिक्षीय शोध को एक सकारात्मक गति प्रदान कर New India @ 75 व 2030 तक प्राप्त किए जाने वाले SDG को साधकर विज्ञान को विकास के साथ समन्वित किया जा सकता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

खंड–B / SECTION –B

1. युद्ध के लिये तैयार रहना शांति को संरक्षित करने का सबसे प्रभावी उपाय है।

To be prepared for war is the most effective means of preserving peace.

2. समस्याग्रस्त विश्व के लिये गांधीवादी विचारधारा की प्रासंगिकता।

The relevance of Gandhian Ideology in the problem laden world.

3. सामाजिक एवं क्षेत्रीय न्याय की कमज़ोरियाँ संपन्न समाजों के अंतर्विरोधों को प्रत्यक्ष संघर्ष के रूप में प्रस्तुत कर सकती हैं।

The weaknesses in social and regional justice can bring forward contradictions of affluent societies in form of direct struggle.

4. नैतिकता स्वयं अपना ही पुरस्कार है।

Morality is its own reward.

"समस्याग्रस्त विश्व के लिए गाँधीवादी विचारधारा की प्रासंगिकता"

एक देश का विकास उसकी भौगोलिक अवस्थिति, इतिहास के कालक्रम, राजनीतिक दशा, आर्थिक स्थिति, समाज व संस्कृति की परिस्थिति आदि पर निर्भर करता है। इसी का एक पक्ष वैचारिक विकास है, जो प्रबुद्ध विचारकों द्वारा प्रतिपादित

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

~~आमाम~~ विचारों, भावों से बनता है।

नश्वर मानवीय जीवन के कारण मानव शरीर तो नष्ट हो जाता है, परंतु क्या ये विचार भी उसी के साथ नष्ट हो जाते है? क्या विचार उसी काल-क्षेत्र की सीमा में बँधे रहते है, जहाँ वे उत्पन्न हुए थे, या चिन्तनशील होते हुए भविष्य में भी अपनी प्रासंगिकता बनाए रखते हैं? यदि हाँ तो कैसे? इस निबंध में हम गाँधीवादी विचारधारा को इन्हीं नव मानकों / आधारों पर कसने की कोशिश करेंगे।

सरल शब्दों में गाँधीवादी विचारधारा को गाँधी के विचारों की परिणति मान सकते है, जो विभिन्न विषयों पर उनके विचारों, दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करती है। तथापि यह सरलीकरण मात्र है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

वस्तुतः गाँधीवादी विचारधारा आध्यात्म व भौतिकवाद के बीच समन्वय, पूर्व व पाश्चिम के बीच सहयोग, प्राचीनता के साथ आधुनिकता तथा स्थिरता के साथ परिवर्तनशीलता के तत्वों का एक अद्भुत मिश्रण है। यह मात्र एक व्यक्ति द्वारा प्रतिपादित विचार नहीं है, बल्कि एक जीवनशैली है; जो सहयोग, संवाद, समायोजन जैसे तत्वों पर आधारित है। स्वयं गाँधी के विचार भी किसी के अंधानुकरण पर आधारित न होकर बौद्ध धर्म, उपनिषद्, पाश्चात्य विचारकों - रस्किन, टालस्टॉय आदि के जीवन व व्यावहारिक विचारों पर आधारित थे।

भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में गाँधीवादी विचारधारा का योगदान अप्रतिम, अविस्मरणीय रहा है; तो विदेशों में भी- दक्षिण अफ्रीका, अमेरिका में नागरिक

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

अधिकार आंदोलन, आदि इसने अपनी उपयोगिता सिद्ध की।

इसी क्रम में न केवल भूत, बल्कि वर्तमान में भी गाँधीवादी विचार विभिन्न समस्याओं के समाधान के मार्ग-दर्शक होने से नजर आते है।

गाँधीवादी विचारधारा राजनीति में राज्य को आवश्यक बुराई मानती है तथा राज्य को कम से कम शक्ति हस्तांतरण का समर्थन करती है। राजनीति में धर्म (नैतिकता) का समावेशन का उसे उत्तरदायी व जवाबदेह बनाती है। वर्तमान में राज्य द्वारा शक्ति संग्रहण की प्रवृत्ति, तालिबान व ISIS द्वारा धार्मिक राज्य की स्थापना के विचार को इससे दूर किया जा सकता है। जिससे राजनीति मानव कल्याण का साधन बन सकती है।

स्वराज व रामराज्य की अवधारणा

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

वर्तमान में उभरती नव साम्राज्यवादी सोच को प्रतिरोधित कर सकती है, तो संवाद की उपयोगिता व -भूमंडलीकरण को सीमित कर पुनः अंतर्राष्ट्रीयतावाद को बढ़ावा दे सकती है।

गाँधीवादी विचारधारा की पंचायती राज व्यवस्था न केवल एक स्वस्थ व आधारिक लोकतंत्र का विकास कर सकती है, बल्कि वर्तमान में बढ़ रही तनाव, कुंठा, अलगाववाद की समस्याओं को दूर कर समाज व्यवस्था को पुनर्जीवित कर सकती है। ~~भारत में सामाजिक क्षेत्र~~

आर्थिक क्षेत्र में यह विचारधारा वित्तीय विकेंद्रीकरण को बढ़ाकर, कृषि व लघु उद्योगों पर बल देकर, श्रम गहन उद्योगों को पूंजी गहन उद्योगों पर वरीयता देकर बेरोजगारी, वित्तीय केंद्रीकरण व असमानता, संसाधनों के अधिकतम सामथ्य

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

निवारण जैसे लक्ष्यों को पूरा कर सकती है। यह उद्योगों में श्रमिकों की अधिकतम सहभागिता सुनिश्चित कर आर्थिक मंदी व मुद्रास्फीति दोनों परिस्थितियों में उद्योग, श्रमिक, जनता - तीनों के हितों का संरक्षण कर सकती है।

सामाजिक क्षेत्र में गांधीवादी विचारधारा स्त्री - पुरुष समानता पर बल देकर बढ़ रहे लैंगिक विभेद, महिला अत्याचार व शोषण, रूढ़िवादी दृष्टिकोण को समाप्त कर सकती है, तो अस्पृश्यता उन्मूलन द्वारा एक समान नागरिक संस्कृति का विकास कर सकती है। जिससे जातिवाद, रंगभेद की समाप्ति संभव हो सकती है।

इसी क्रम में सांस्कृतिक क्षेत्र में अपनी स्थानीय संस्कृति के तत्वों को अंगीकृत करने, उन पर गर्व करने का भाव पैदा करती

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

है, जो बढ़ते पाश्चात्यीकरण व सांस्कृतिक साम्राज्यवाद को रोक सकती है, जो परिवर्तन व आधुनिक तत्वों के समावेशन की प्रवृत्ति के प्रति खुलापन कुरीतियों को खत्म कर मानवतावाद, तर्कवाद को बढ़ा सकती है, जो अंततः संस्कृति के विकास के साथ संरक्षण में भी सहायक सिद्ध होता है।

इसी प्रकार धार्मिक क्षेत्र में धर्म परिवर्तन की अनावश्यकता, धर्म को व्यक्तिगत जीवन का अंग स्वीकारने की रणनीति धार्मिक कट्टरवाद, आतंकवाद को रोकने में मददगार साबित हो सकती है। तकनीकी क्षेत्र में श्रम के साथ प्रौद्योगिकी का मिश्रण दोनों के बीच संघर्ष कम कर कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI), मशीन लर्निंग के कारण होने वाले रोजगार नुकसानों के चलते हो रहे विरोध को संतुलित समन्वय का चतुर्थ

Copyright – Drishti The Vision Foundation

औद्योगिक क्रांति का मार्ग प्रशस्त कर सकती है।

इसी क्रम में गांधीवादी शिक्षा प्रणाली व्यक्ति को प्रकृति व समाज के साथ जोड़कर तथा मूल्यों का समावेशन कर मूल्य-विहीन शिक्षा के कारण उपज रही समस्याओं - व्यक्तिवाद, भ्रष्ट आचरण, सामाजिक हिंसाएँ आदि को न्यून कर सकती है।

वैचारिक स्तर पर उपभोग को सीमित व संतुलित बनाए रखने की प्रवृत्ति उपभोक्तावाद/उपभोगवाद से बचाकर सतत विकास लक्ष्य 12 (संधारणीय उपभोग व उत्पादन) की प्राप्ति में सहायता कर सकती है, तो ग्लोबल पीस इंडेक्स (SIPRI) के अनुसार हिंसा के कारण विश्व GDP को प्रतिवर्ष होने वाली 12% हानि को अहिंसा की अवधारणा रोक सकती है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation
उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

इससे न केवल स्थानीय विकास को गति मिलेगी, अपितु बल्कि बाह्य शक्तियों का सीमित हस्तक्षेप राष्ट्र की संप्रभुता को भी अक्षुण्ण रख पायेगा।

इसी प्रकार सत्याग्रह की धारणा न केवल मानव मन को शुद्ध करती है, बल्कि सामने वाले का हृदय परिवर्तन का अनावश्यक संघर्ष से बचाव का मार्ग प्रदान करती है। साधन- साध्य की पवित्रता प्राप्त किए जाने वाले लक्ष्यों को दीर्घकालिक व संधारणीय रो बना दी सकती है, अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में नैतिकता का समावेशन का राष्ट्रीय हित को व्यापक अंतर्राष्ट्रीय हित के साथ समावेशित का वसुधैव कुटुंबकम की अवधारणा को मजबूत का सकती है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

तथापि गाँधीवादी विचारधारा की अपनी कुछ सीमाएँ भी है। यह मनुष्य को पवित्र मात्र मानती है, जबकि मनुष्य अच्छाई व बुराई दोनों का संयोग होता है। इसी प्रकार जहाँ गाँधीवादी विचारधारा का धर्म नैतिकता का सूचक रहा है, तो वहीं वर्तमान में इसे कर्मकाण्ड से अधिक जोड़ा जाता है।

गाँधीवादी विचारधारा पूँजी के अत्यधिक विकेंद्रीकरण, सीमित स्तर पर उत्पादन तथा प्रौद्योगिकी के न्यून उपयोग पर केंद्रित है, परंतु वर्तमान में बढ़ती जनसंख्या, बढ़ती आवश्यकता की पूर्ति हेतु उत्पादन बढ़ाने के लिए पूँजी के केंद्रीकरण व प्रौद्योगिकी के बड़े पैमाने पर प्रयोग की आवश्यकता महसूस की जाती है।

इसी प्रकार पंचायती व्यवस्था

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

घरेलू राजनीति में लाभदायक सिद्ध हो सकती है, परंतु वृहद अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में एक शक्तिशाली राज्य भी आवश्यक हो जाता है।

इसी प्रकार अहिंसा का विचार सीमित दमन की स्थिति में तो उपयुक्त हो सकता है; परंतु हिटलर, मुसोलिनी तथा वर्तमान में चीन (तियानमेन स्क्वायर कांड), सीरिया जैसे संकटों में व्यावहारिकता सीमित प्रतीत होने लगती है।

वर्तमान में बढ़ता औद्योगीकरण, भौतिकतावाद, पर्यावरण-विकास संघर्ष, सांप्रदायिक घटनाएँ, समाज-व्यवस्था में सामूहिक हित व व्यक्तिगत हित के बीच सामंजस्य का अभाव, राजनीतिक केंद्रीकरण, बढ़ती रोजगार व पदेच्छ असमानता आदि गाँधीवादी विचारधारा पर प्रश्न-चिन्ह खड़ा करती है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

गाँधीवादी विचारधारा की उपर्युक्त सीमाएँ वस्तुतः पूर्ण परिदृश्य प्रस्तुत नहीं करती है। यह विचारधारा कोई विशिष्ट मानकों, आधारों पर निर्मित नहीं हुई है। यह विभिन्न विचारधाराओं की अच्छी बातों व नैतिकता का संगम है जो काल-क्षेत्र से परे सभी समाजों, क्षेत्रों के लिए कुछ मार्गदर्शक सिद्धांतों का प्रतिपादन करती है। इसी कारण यह जीवंत सोंदर्यवानी रहती है।

सारांशतः गाँधीवादी विचारधारा वर्तमान विश्व को अनेक समस्याओं से मुक्ति दिला सकती है, बशर्ते तात्कालिक परिस्थितियों के अनुसार इसके सारांश को प्रधानता अपनाया जाए, न कि अक्षरशः कथन प्रतिपादन को। यही सार वैश्विक स्तर पर मानवाधिकार संरक्षण तथा मानवीय कल्याण व प्रगति का आधार निर्मित कर सकता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation